संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -359 गुरूवार ,31 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

शुभ दीपावली

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं,समस्त शुभचिंतको एवं जिले व प्रदेश तथा देशवासियों को दीपों का त्यौहार दीपावली की घटती-घटना परिवार की ओर से अशेष शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई...

मंगल कामनाओं के साथ ....

संपादक

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर दैनिक घटती-घटना कार्यालय में 31 अक्टूबर 2024 दिन गुरूवार को अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक शनिवार,02 नवम्बर 2024 को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

LAC से पीछे हटी भारत-चीन की सेना

साढ़े चार वर्षों से चल रहा था टकराव

करीब साढ़े चार वर्षों से यहां पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई थी, जो आखिरकार मंगलवार को खत्म हो गई। इसके साथ ही पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 अक्टूबर को दोनों स्थानों से सेनाओं को पीछे करने और वहां मौजूद अस्थायी निर्माण, शिविर आदि को हटाने का काम खत्म हो गया।

- दीवाली पर दोनों सेनाएं एक दूसरे का मुंह मीठा भी कराएंगी...
- सैनिकों की वापसी व्यवस्थित तरीके से हो रही है:चीनी विदेश मंत्रालय...
- डेमचोक-देपसांग

से पीछे हटे भारत-चीन के सैनिक

नई दिल्ली,30 अक्टूबर 2024 (ए)। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर डेमचोक और देपसांग में भारत और चीनी सेना के सैनिक पूरी तरह पीछे हट गए हैं। पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही दीपावली पर दोनों देशों की सेनाओं द्वारा पैट्रोलिंग का रास्ता साफ हो गया है।रक्षा सूत्रों ने बताया कि अब दोनों सेनाएं इन क्षेत्रों में मौजूदगी खत्म होने के साथ अस्थायी निर्माण नष्ट किए जाने की भौतिक रूप से और ड्रोन के जरिये जांच-पड़ताल कर रही हैं। देपसांग के मैदान और डेमचोक में अस्थायी निर्माण को हटाए जाने का काम लगभग पूरा हो गया है।

इसके साथ ही दोनों पक्षों की ओर से एक निर्धारित स्तर का सत्यापन किया जा चुका है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत वहां तैनात दोनों सेनाएं पीछे हटकर अपने निर्धारित स्थान पर चली गई हैं। अब 10 से 15 सैनिकों की टुकड़ी यहां पर गश्त करेगी और अप्रैल 2020 से पूर्व की स्थिति बहाल हो जाएगी।

भारत-चीन बॉर्डर पर कैसे पीछे हटीं सेनाएं

भारत-चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में चार साल से सीमा विवाद को लेकर तनाव था। दो साल की लंबी बातचीत के बाद पिछले दिनों एक समझौता हुआ है। दोनों सेनाएं विवादित पॉइंट्स देपसांग और डेमचोक से पीछे हटेंगी।

18 अक्टूबर :देपसांग और डेमचोक से पीछे हटने की जानकारी सामने आई थी। इसमें बताया गया था कि यहां से दोनों सेनाएं अप्रैल 2020 से पहली की स्थिति में वापस लौटेंगी। साथ ही उन्हीं क्षेत्रों में गश्त करेंगी, जहां अप्रैल 2020 से पहले किया करती थीं। इसके अलावा कमांडर लेवल मीटिंग होती रहेगी।

2020 में भारत-चीन के सैनिकों के बीच गलवान झड़प के बाद से देपसांग और डेमचोक में तनाव बना हुआ था। करीब 4 साल बाद 21 अक्टूबर को दोनों देशों के बीच नया पेट्रोलिंग समझौता हुआ। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया था कि इसका मकसद लद्दाख में गलवान जैसी झड़प रोकना और पहले जैसे हालात बनाना है।

25 अक्टूबर: भारत और चीन की सेनाएं शुक्रवार, 25 अक्टूबर से पूर्वी लद्दाख सीमा से पीछे हटना शुरू हो गई हैं। पूर्वी लद्दाख के डेमचोक और देपसांग पॉइंट में दोनों सेनाओं ने अपने अस्थायी टेंट और शेड हटा लिए हैं। गाड़ियां और मिलिट्री उपकरण भी पीछे ले जाए जा रहे हैं।

आर्मी के सूत्रों के मुताबिक 28 और 29 अक्टूबर तक दोनों देश देपसांग और डेमचोक से अपनी-अपनी सेनाएं पूरी तरह हटा लेंगे। पेट्रोलिंग के लिए सीमित सैनिकों की संख्या तय की गई है। ये संख्या कितनी है, इसकी अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए सैन्य कमांडर रहें तैयार:विदेश मंत्री

नई दिल्ली,30 अक्टूबर 2024 (ए)। इंडियन आर्मी के कमांडरों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने तेजी से विकसित हो रहे भू-राजनीतिक खतरों और अवसरों के लिए उन्हें तैयार रहने को कहा।

मोदी ने दिया था खास मैसेज

गौरतलब है कि बीते 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि भारत और चीन के संबंधों का महत्व केवल हमारे लोगों के लिए ही नहीं है। वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए भी हमारे संबंध अहम हैं। सीमा पर पिछले चार वर्षों में उत्पन्न हुए मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत है। सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

संपादकीय

विपक्ष की मांग,केंद्र को ध्यान देना चाहिए

निज्जर मामले में भारत-कनाडा के बिगड़ते संबंधों पर चर्चा के लिए संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेताओं एवं अन्य सभी राजनीतिक दलों की साझा बैठक बुलाने की विपक्ष की मांग पर केंद्र को तुरंत ध्यान देना चाहिए। हकीकत है कि खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर के मामले में भारत के सामने मुश्किल स्थिति खड़ी हो गई है। अमेरिका ने दो टूक कहा है कि इस विवाद में वह कनाडा के साथ है। उसने भारत से कनाडा के आरोपों को गंभीरता से लेने को कहा है। ब्रिटेन ने भी ऐसा ही रुख अपनाते हुए भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने को कहा है। फाइव आईज गठबंधन में इन तीनों के अलावा शामिल अन्य दो देशों-ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी अब इस विवाद में सार्वजनिक टिप्पणी की है। उन्होंने भी स्पष्ट किया है कि वे कनाडा के आरोपों को गंभीरता से लिए जाने के पक्ष में हैं। कनाडा की विदेश मंत्री कह चुकी हैं कि इस मामले में भारत पर दबाव डलवाने के लिए उनका देश जी-7 से भी संपर्क करेगा।साफ है कि निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामलों को अलग-अलग करके देखने और उन पर अलग रुख अपनाने की भारत की रणनीति कारगर नहीं हुई है। नतीजा है कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि और विदेश संबंधों में तय प्राथमिकता के सामने गंभीर चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। ऐसे मौकों पर यह जरूरी है कि देश के अंदर संपूर्ण राजनीतिक आम सहमति बनी रहे। इस मकसद से संसद के दोनों सदनों में विपक्षी दलों के नेताओं एवं अन्य राजनीतिक दलों की साझा बैठक बुलाने की विपक्षी मांग पर सरकार को तुरंत ध्यान देना चाहिए।कांग्रेस की आशंका में दम है कि भारत-कनाडा के बिगड़ते संबंधों और कनाडा को कई अन्य देशों के मिले समर्थन से स्थिति और प्रतिकूल हो सकती है, जिसका असर ब्रांड इंडिया पर पड़ेगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार इस मामले में अपने रुख से विपक्ष और सारे देश को अवगत कराए। सरकार के पास मौजूद सूचनाएं विपक्ष के साथ साझा की जानी चाहिए। आखिर देश की छवि की रक्षा सबकी जिम्मेदारी है। यह आवश्यक है कि इस मामले में सारा देश एक स्वर में बोले। लेकिन ऐसा तभी हो सकता है कि जब सरकार देश की प्रतिष्ठा की रक्षा में सबको हितधारक माने। अत- अपेक्षित है कि सरकार विपक्ष की मांग को सुने।

दीपावली से जोड़ी पौराणिक कथाएं और औचित्य

केशी गुप्ता
द्वारका नई दिल्ली

दीपावली का त्यौहार संपूर्ण देश में बड़े ही हर्ष उल्लास और उत्साह से मनाया जाता है । यूं तो यह हिंदू धर्म से जोड़ा पर्व है। मगर देश भर के सभी धर्म इस त्यौहार को बड़ चढ़ कर मनाते है। दीपावली के त्यौहार से अनेकों पुराणिक कथाएं जोड़ी हुई है। दिवाली का त्यौहार दीपों,रोशनी का त्यौहार है । इस दिन घर में लक्ष्मी गणेश के पूजा की जाती है । ऐसी मान्यता है की मां लक्ष्मी इस दिन रात्रि को भ्रमण करती है और स्वच्छ निर्मल घर में अपना वास बनाती हैं। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन क्यों होता है ? दीपावली पर लक्ष्मी जी के साथ गणेश जी की पूजा क्यों होती है, विष्णु भगवान की क्यों नहीं? जब दीपावली भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास से अयोध्या लौटने की खुशी में मनाई जाती है तो राम और सीता की पूजा क्यों नही की जाती? ऐसे कई प्रश्न हैं जो जिज्ञासु लोगों के ज़हन में उठते रहते हैं। ऐसे प्रश्नों का उत्तर अधिकांशत लोगो को नहीं मिल पाता और जो मिलता है उससे वह संतुष्ट नहीं हो पाते।

ऐसी मान्यता है कि दीपावली का उत्सव दो युग, सतयुग और त्रेता युग से जुड़ा हुआ है। सतयुग में समुद्र मंथन के दौरान माता लक्ष्मी इस दिन ही प्रगट हुई थी इसलिए लक्ष्मीजी का पूजन होता है। भगवान राम भी त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या लौटे थे तो अयोध्या वासियों ने घर घर दीपमाला जलाकर उनका स्वागत किया था इसलिए इसका नाम दीपावली है। अत- इस पर्व के दो नाम है लक्ष्मी पूजन जो सतयुग से जुड़ा है । दूसरा दीपावली जो त्रेता युग प्रभु राम की अयोध्या वापसी से जुड़ा है।पुराणिक कथा के अनुसार लक्ष्मी जी सागर मंथन में मिलीं, भगवान विष्णु ने उनसे विवाह किया और उन्हें सृष्टि की धन और ऐश्वर्य की देवी बनाया दिया। लक्ष्मी जी ने धन वितरण के लिए कुबेर को अपने साथ रखा। कुबेर स्वभाव से कंजूस थे, वे धन वितरण सही नहीं कर पाते थे। वे स्वयं धन के भंडारी बन कर बैठ गए। माता लक्ष्मी इस बात से चिंतित थी कि उनके भक्तों को उनकी कृपा नहीं मिल रही थी। उन्होंने अपनी व्यथा भगवान विष्णु से कही। भगवान विष्णु ने कहा कि तुम कुबेर के स्थान पर किसी अन्य को धन वितरण का काम सौंप दो। भगवान विष्णु ने उन्हें गणेश जी की विशाल बुद्धि को प्रयोग करने की सलाह दी। माता लक्ष्मी ने गणेश जी को कुबेर के साथ बैठा दिया। गणेश जी ठहरे महाबुद्धिमान। वे बोले, माता मैं जिसका भी नाम लूं, उस पर आप कृपा कर देना। माता लक्ष्मी ने हाँ कर दी। अब गणेश जी लोगों के सौभाग्य के विघ्न, रुकावट को दूर कर उनके लिए धनागमन के द्वार खोलने लगे। गणेश जी कुबेर के भंडार का द्वार खोलने वाले बन गए। गणेश जी की भक्तों के प्रति ममता कृपा देख माता लक्ष्मी ने अपने पुत्र श्रीगणेश को आशीर्वाद दिया कि जहां कभी भी वे अपने पति नारायण के संग नही होंगी, वहां उनका पुत्र गणेश उनके साथ होगा। दीवाली कार्तिक अमावस्या को मनाई जाती है। भगवान विष्णु उस समय योगनिद्रा में होते हैं। ग्यारह दिन बाद देव उठनी एकादशी को वह निद्रा से जागते है। माता लक्ष्मी पृथ्वी भ्रमण करने शरद पूर्णिमा से दीवाली के बीच के पन्द्रह दिनों में आती हैं अपने पुत्र गणेश के संग। इसलिए दीवाली को लक्ष्मी गणेश की पूजा धूम धाम और भव्यता से की जाती है। दीपावली से पहले ही लोग घरों की साफ सफाई में लग जाते है और खूब सजावट करते है । लोग एक दूसरे के घर जा कर मिठाई तोफे दे धन धान्य से भरपूर होने की कामना करते हैं। भारत देश ऋषि मुनियों की धरती है । पुराणिक कथाओं का एक विशाल सागर इस देश की मिट्टी संस्कृति से जुड़ा है। त्यौहार का औचित्य एक दूसरे से जोड़ना और एक दूसरे के लिए मंगल कामना करना है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अंधकार से प्रकाश की ओर

हेमेन्द्र क्षीरसागर
बालाघाट,
मध्यप्रदेश

दीपावली कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। भारत के सबसे बड़े और सर्वाधिक महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। आध्यात्मिक रूप से यह अन्धकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाता है। भारत वर्ष में मनाए जाने वाले सभी पर्वों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है। दीपोत्सव 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हे भगवान मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले जाइए। यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। जैन धर्म के लोग इसे महावीर के मोक्ष दिवस के रूप में मनाते हैं। सिख समुदाय इसे बन्दी छोड़ दिवस के रूप में मनाता है।

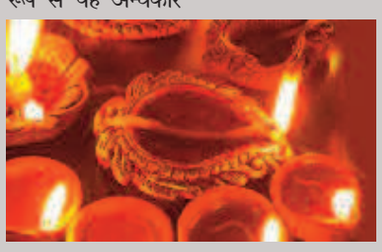

स्तुत्य, दीपावली के दिन अयोध्या के राजा राम अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से प्रफुल्लित हो उठा था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीपक जलाए। कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पत्नी सत्यभामा की मदद से असुर राजा नरकासुर का वध किया था। नरकासुर को स्त्री के हाथों से वध का श्राप मिला था। उस दिन कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी। नरकासुर के आतंक और अत्याचार से मुक्ति मिलने की खुशी में लोगों ने दीपोत्सव मनाया था। प्रतित, पांडवों को भी वनवास छोड़ना पड़ा था, जिसके बाद पांडव घर लौटे और इसी खुशी में पूरी नगरी को जगमग किया गया और तभी से दिवाली की शुरूआत हुई। समुद्र मंथन के दौरान माता लक्ष्मी जी ने सृष्टि में अवतार लिया था। माता लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी माना जाता है। इसीलिए हर घर में दीप जलने के साथ-साथ हम माता लक्ष्मी जी की पूजा भी करते हैं। माता पार्वती ने राक्षस का वध करने के लिए जब महाकाली का रूप धारण किया था। उसके बाद उनका क्रोध शांत नहीं हो रहा था। तब महाकाली का क्रोध शांत करने के लिए भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए थे। तब भगवान शिव के स्पर्श से उनका क्रोध शांत हुआ था। इसी की याद में उनके शांत रूप लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत हुई। इसी रात इनके रौद्ररूप काली की पूजा का भी विधान है।

वस्तुतः भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है और असत्य का नाश होता है। दीपावली यही चरितार्थ करती है। दीपोत्सव एक नई शुरुआत की ओर संकेत करता है। लोगों को अपने जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देकर अच्छे कामों के लिए प्रतिज्ञा कर बुराइयों से मुक्ति की दिशा में कदम उठाए जाते हैं। यथा दीपावली नेपाल, भारत, श्रीलंका, म्यांमार, मारीशस, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, मलेशिया, सिंगापुर, फिजी, पाकिस्तान और औस्ट्रेलिया की बाहरी सीमा पर क्रिसमस द्वीप पर भी मनाई जाती है।

त्योहारों का अर्थशास्त्र

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक (हरियाणा)

संसार के अन्य देशों की तरह भारत में भी समय-समय पर कई प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। असल में भारत त्योहारों का देश है। यहां पर अनेक जातियों, संप्रदायों, क्षेत्रों, रीति रिवाजों, परंपराओं तथा आस्था वाले लोग रहते हैं जो कि समय-समय पर शताब्दी से चले आ रहे त्योहारों को मनाते चले आ रहे हैं। भारत में अधिकांश त्यौहार फसलों के बोने या काटने के बाद मनाए जाते हैं। अधिकांश त्यौहार फसलों के काटने के बाद इसलिए मनाए जाते हैं क्योंकि लोगों के पास पैसे आ जाते हैं। अतः उन्हें त्योहारों के माध्यम के द्वारा जश्न या खुशी मनाने का मौका मिल जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है। ऐसा देखा गया है कि जमि्मीदार लोग आमतौर पर विवाह शादियां तथा त्योहारों को मनाने की परंपरा को फसलों के काटने के बाद ही करते हैं। भारत में बैसाखी, होली, दशहरा, दिवाली,तीज,लोहड़ी, भाई दूज, रक्षाबंधन, करवा चौथ,ईद,रोज़ा रखना, क्रिसमस, ईस्टर आदि त्यौहार हमारे देश के विभिन्न प्रकार के समुदायों के लोगों के द्वारा धूमधाम से मनाए जाते हैं। भारत के मनाए जाने वाले त्योहारों का अपना ही अर्थशास्त्र है। लेकिन पहले हमें देखना पड़ेगा कि अर्थशास्त्र किसे कहते हैं ,त्योहारों का अर्थशास्त्र क्या है के बारे में बात बाद में करेंगे। अर्थशास्त्र हमें बताता है कि हम लोग किस प्रकार से धन कमाते हैं और किस प्रकार से अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खर्च करते हैं। जब वह विभिन्न प्रकार के काम जैसे खेती-बाड़ी, व्यापार, मजदूरी, कारखाने में काम करना, जमीन बेचना, इमारतों का निर्माण करना आदि के द्वारा धन कमाते हैं तो उसका कुछ हिस्सा घर गृहस्ती चलाने के लिए, खाने पीने, कपड़े, मकान, स्कूटर,कार आदि खरीदने में खर्च करते हैं और कुछ पैसे बचा कर रख लेते हैं यह सब बातें आगे अर्थव्यवस्था में कई और काम धंधों को बढ़ावा देने में काम आती है। अब देखना यह है कि हमारे त्योहारों का अर्थशास्त्र क्या है? अर्थात् वे हमारे देश की विभिन्न आर्थिक क्रियाओं को किस प्रकार से प्रभावित करते हैं। उदाहरण के तौर पर मार्च अप्रैल के महीने तक गेहूं की फसल पक कर तैयार हो जाती है और कटने लग जाती है। किसान लोगों के पास इस फसल को बेचने के बाद पैसा आ जाता है, परिणामस्वरूप बैसाखी का त्यौहार मनाया जाता है। इस त्यौहार पर किसान लोग नाचते हैं, गाते हैं, भांगड़ा डालते हैं, मेले लगते हैं, पंजाब में किसान लोग गुरुद्वारे में उत्सव मनाते हैं, पैसे खर्च करते हैं, नये कपड़े सिलवाते हैं, मेलों में कई प्रकार की चीजें बिकती हैं जिससे लोगों को रोजगार मिलता है। इसी प्रकार दशहरे की बात है। दशहरे से पहले देश के विभिन्न भागों में राम लीलाएं आयोजित की जाती हैं। इस मौके पर टेंट वाले, कुर्सियों वाले, रेहड़ी वाले, कलाकार लोग पैसा कमाते हैं। जब दशहरा आता है तब रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले बनाने को रोजगार मिलता है। जहां इन पुतलों को जलाया जाता है वहां लोगों के खाने पीने की चीजें, खिलौने,झूले आदि वाले भी मौजूद होते हैं जिन्हें रोजगार तथा आमदनी प्राप्त होती है। हमारे देश में साल में दो बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व पर लोग 9 दिन व्रत रखते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि वह बिल्कुल कुछ नहीं खाते , बल्कि व्रत से संबंधित और चीजें खाते हैं जिन्हें बेचने वालों को आमदनी प्राप्त होती है व्यापार को बढ़ावा मिलता है। हमारे देश में धान के काटने के बाद दिवाली का रोशनियों का त्यौहार आता है। वैसे तो हिंदुओं के सभी त्योहार एक से बढ़कर एक बड़े हैं जिन पर लोग पैसे खर्च करते हैं और जिनके कारण रोजगार, उत्पादन और आमदनी में तथा विभिन्न प्रकार के करो के द्वारा सरकारी राजस्व में वृद्धि होती है और ट्रांसपोर्टरों को भी आमदनी प्राप्त होती है लेकिन दिवाली का त्योहार हिंदुओं का सबसे बड़ा त्यौहार है जिससे गंगा जमुना संस्कृति के तहत हिंदू ,सिख ,मुसलमान आदि मिलकर मनाते हैं। दिवाली से कुछ दिन पहले अधिकांश लोग अपने घरों तथा दुकानों की मरम्मत कराते हैं, उन्हें रंग रोगन तथा सफेदी कराते हैं और दिवाली के त्योहार से कुछ दिन पहले से ही पटाखे,बम, फुलझड़ियां आदि जलाना शुरू कर देते हैं। दिवाली से 2 दिन पहले हमारे यहां धनतेरस मनाए जाने की परंपरा है जिसके तहत लोग अपने समर्थ के अनुसार नए-नए बर्तन, चांदी तथा सोने के गहने खरीदते हैं। खरीददारों की भीड़ से दीवाली से कुछ दिन पहले से ही बाजार लोगों से खचाखच भरे होते हैं। दिवाली पर मिट्टी के दिए, मोमबत्तीयां, बम, फुलझड़ीयां, खिलौने, कागज के बने हुए सजावट के आकर्षक फूल, अपने इष्ट देव की शीशे से जड़ी फोटो, पूजा के लिए मिट्टी की बनी हुई दिवाली खरीदते हैं। करोड़ों का व्यापार होता है। दो-तीन दिन पहले बिजली से जगमगाने वाली रोशनी करने वाली लड़ियाँ खरीदी जाती हैं, लोग आपस में मिठाई तथा उपहारों का आदान-प्रदान करके एक दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं देते हैं। मिठाई की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी होती है। इन सब बातों से लोगों को आमदनी प्राप्त होती है। रात के समय जब दिवाली पूजन होता है तो कुछ लोग चांदी से बने श्री गणेश तथा लक्ष्मी की मूर्तियां का भी पूजन करते हैं, कुछ लोग इस दिन दीए जलाकर रोशनी करने के अलावा घरों को गेंदे तथा गुलाब के फूलों से भी सजाते हैं। दिवाली वाले दिन लोग अपने रिश्तेदारों , शुभचिंतकों, मित्रों तथा पड़ोसियों में मिठाइयां आदि का भी आदान प्रदान करते हैं। जिससे हलवाइयों का काम करने वाले दुकानदारों की चांदी हो जाती है। इसी तरह करवा चौथ, नवरात्रि, भाई दूज, रक्षाबंधन आदि त्योहारों पर भी मिठाईयों, कपड़ों का आदान-पर होता है। लोहड़ी के त्योहार पर लोग रात को अपने मोहल्ले या घरों में आग जलाकर पूजन करते हैं, गुड़ तथा चीनी की बनी रेवड़ियां , समोसे आदि खरीदते हैं, अगले संक्रांति के दिन बुजुर्गों को कंबल अथवा लोई दिए जाने की भी परंपराहै। इसी तरह ईद, क्रिसमस, ईस्टर आदि गैर हिंदू त्योहारों पर भी लोग अपने-अपने ढंग से जश्न मनाते हैं, नए-नए कपड़े सिलवाते हैं, गरीबों को दान करते हैं क्रिसमस पर उपहार दिए जाने, चर्च में कैंडल जलाने की परंपरा है। इसदिन ईसाइयों में खूब उत्साह होता है, बच्चों के लिए झूले, खिलौने था बड़ों के लिए खरीदारी के लिए बाजार लगते हैं। सिख धर्म को मानने वाले लोग गुरुपूरब पर लंगर, जल सेवा तथा हलवे का प्रसाद बांटते हैं। इस तरह भारत में जो भिन्न-भिन्न समुदायों द्वारा जो त्योहार मनाए जाते हैं उनका अपना ही अर्थशास्त्र है जिसके मुताबिक उन्हें आमदनी तथा रोजगार मिलता है, व्यापार में वृद्धि होती है तथा सरकार को करोड़ों से आमदनी प्राप्त होती है।

कविता
दीपोत्सव

- मोनिका डागा आनंद ,
चेन्नई,
तमिलनाडु

हर घर रोशन जगमग खुशियां छाएं,
आनंद उत्सव सब मिलजुल मनाएं,
इस दीपावली पूरी हो सबकी आस,
वैभव संग सौभाग्य सबका जगमगाएं ।
मन का मिटा हर प्रकार का अवसाद,
भक्ति भाव से किया है शुभ शंखनाद,
जगाया दीपों का कल्याणकारी प्रकाश,
संग बड़ों का लेकर अनुपम आशीर्वाद ।
घर के एक-एक कोने को सुंदर सजाया,
हृदय कमल प्रेम भाव से पूर्ण खिलाया,
सुख समृद्धि शांति का हो अनंत विकास,
दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया ।
दी सबको शुभकामनाएं, ढेरों बधाइयां,
बांटी फुलझड़ियों संग खूब मिठाइयां,
जगाया सौहार्द स्नेह संग आत्मविश्वास,
त्याग दी भेदभाव की सारी बुराइयां ।

कविता
आ गई दीपावली

घटती-घटना
रवीन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर हिमाचलप्रदेश

आ गई दीपावली
अबके बरस तुम रखना ख्याल
मिट्टी के दीपक तुम खरीदना
हो जाएगी उनकी दीवाली भी खुशहाल
पटाखे जलाकर प्रदूषण मत फैलाना
मिट्टी के ही केवल तुम दीपक जलाना
बर्गर पीजा को एक दिन देना विराम
पारंपरिक पकवान उस दिन खूब खाना
पूरा साल मिट्टी से खेलता है कुम्हार
मिट्टी में रख देता है अपना दिल निकाल
मिल जाएगा उसको मेहनत का फल
बनने न पाये कोई उसके जी का जंजाल
अच्छे अच्छे स्वादिष्ट पकवान उस दिन बनाना
खुद खाने से पहले लक्ष्मी को चढ़ाना
पहले माता पिता के चरणों में शीश झुकाना
उसके बाद तुम फिर दीवाली मनाना
हर वर्ष लेते है पर्यावरण को साफ रखने की कसम
फिर जम कर दीवाली को पटाखे हैं चलाते
भूल जाते है पिछले वर्ष क्या कसम थी खाई
हर वर्ष फिर लाखों टन कचरा है फैलाते
इस दीवाली को मत फैलाना धुआं और कचरा
अम्मा के हाथ के पारंपरिक पकवान तुम खाना
पाश्चात्य सभ्यता के आडम्बर से बाहर निकलकर
अपनी संस्कृति को हमें है अपनाना और बचाना

31 अक्टूबर जयन्ती पर विशेष

भारत के लौह पुरुष थे सरदार पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल को भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है। महात्मा गांधी ने वल्लभभाई पटेल को सरदार की उपाधि दी थी। उन्हें भारत के बिस्मार्क के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि उन्होंने भारत को एकजुट करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी। देश के वो पहले गृहमंत्री गृहमंत्री थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली। सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है। सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

आज रोशन होंगे घर-आंगन,फूटेंगे करोड़ों के पटाखे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दीपावली गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। वहीं मंगलवार को धनतेरस की जमकर खरीदारी हुई। इसके बाद बुधवार को दिवाली की खरीदारी लोगों ने की। त्योहार की तैयारी को लेकर बाजार में चहल-पहल रही। रंग-बिरंगे झालरों से लेकर अन्य सजावटी सामानों की खरीदारी जोरों पर की गई। इसके अलावा अपने घरों को जगमग करने के लिए मिट्टी के दीये भी लोगों ने खरीदे। लोगों ने दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा करने के लिए भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की मूर्तियां भी खरीदीं।

गौरतलब है कि दीपावली त्योहार गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। दीपावली की खरीददारी को लेकर बुधवार को बाजार में उत्साह देखा गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग खरीदारी करते नजर आए। लोगों ने मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अपने-अपने घरों को आकर्षक ढंग से सजाया है। घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई पिछले 15 दिनों से चल रही थी, ताकि लोग दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा-अर्चना कर सकें।

दीपावली के एक दिन पूर्व लोग बाजार में मिट्टी के दीये,बत्ती, घरों के सजावट के सामान, पूजन सामग्री खरीदते नजर आए। खरीदारी का सिलसिला गुरुवार की शाम तक चलेगा। शाम को शुभ मुहूर्त में लोग भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीयों का विशेष महत्व होता है। लोग कितने भी आकर्षक तरीके से लाइटिंग से अपने घरों को जगमग कर लें पर मिट्टी के दीपक घरों में नहीं जले तो दीपावली का पर्व अधूरा रह जाता है, इसलिए मिट्टी के दीपक की खरीदारी पिछले चार दिनों से की जा रही है। शनिवार को लोगों ने बाजार में मिट्टी के दीयों की जमकर खरीददारी की, इससे कुम्हारों के चेहरे पर मुस्कान नजर आई। दीपावली के शुभ अवसर पर जोरदार आतिशबाजी की जाती है। इसे लेकर शहर के पीजी कॉलेज कॉलेज मैदान में लगभग 200 से ज्यादा पटाखें दुकानें लगाई गईं हैं। गुरुवार को दिवाली के अवसर पर करोड़ों के पटाखे फूटेंगे। पटाखा व्यवसायी पिछले तीन-चार दिनों से अपनी दुकानें सजाने में लगे हुए थे। महंगाई की मार पटाखों पर भी पड़ी है। वहीं प्रदेश में पटाखे फोडने के लिए रात 8 से 10 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। दिवाली के लिए इस बार एक सप्ताह पूर्व से ही बाजार सजावटी सामान की खरीदारी के लिए सज चुके हैं। इस बार चीन निर्मित माल काफी कम है और महंगा होने के बावजूद स्वदेशी प्रोडक्ट की मांग है। सजावटी सामान के कारोबारियों का कहना है कि लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत होने के चलते इस बार चाइनीज सामान बाजार से लगभग पूरी तरह नदारद है। सजावटी सामान में केवल मेक इन इंडिया प्रोडक्ट की उपलब्धता है। महंगा होने के बावजूद लोग स्वदेशी की ही मांग कर रहे हैं।

लगातार अपराधिक घटनाओं में शामिल रहने पर तीन को गुंडा-बदमाश की सूची में किया गया शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने व पुलिस के समझाइश के बाद भी कोई सुधार नहीं होने पर तीन लोगों के पुलिस ने गुंडा-बदमाश की सूची में शामिल किया है। ये तीनों बादमाश गांधीनगर व कोतवाली क्षेत्र में विभिन्न आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। गांधीनगर व कोतवाली थाना प्रभारी ने तीनों के आपराधिक घटनाओं की जानकारी एसपी योगेश पटेल को दी थी। एसपी के निर्देश पर कोतवाली क्षेत्र के जरहागढ़ निवासी जय आदित्य तिवारी उर्फ अंश पंडित (19) पिता अशोक तिवारी उर्फ बाबा पंडित ,गांधीनगर थाना क्षेत्र के केदारपुर निवासी अतुल ताम्रकार (20) पिता बिरजू ताम्रकार व गांधीनगर थाना क्षेत्र के सकालो बांधपारा हाल मुकाम वसुंधरा विहार गोधनपुर निवासी संजीत पाल (38) पिता बैजनाथ पाल को गुंडा-बदमाश की सूची में शामिल किया गया है। जय आदित्य तिवारी उर्फ अंश पंडित के खिलाफ मारपीट, बलवा, हत्या, आर्म्स एक्ट, अपहरण से संबंधित 16 अपराध थाना कोतवाली में दर्ज है। यह वर्ष 2016 से अपराधिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय है। अतुल ताम्रकर के खिलाफ भी मारपीट, बलवा, हत्या, लुट, अपहरण, आर्म्स एक्ट से सबंधित 11 अपराध थाना कोतवाली में दर्ज है। यह वर्ष 2019 से अपराधिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय है। वहीं संजीत पाल के खिलाफ भी कई अपराधिक घटनाएं शामिल है।

हाथी ने एक ग्रामीण को कुचलकर गंभीर रूप से किया जख्मी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परीक्षेत्र स्थित कनकनगर गांव में दल से विछडक़र पहुंचा एक हाथी ने एक ग्रामीण को कुचलकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। वहीं इसका बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। गंभीर रूप से जख्मी ग्रामीण को इलाज के लिए प्रतापपुर अस्पताल से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। यहां उसका इलाज चल रहा है।

प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कनकनगर निवासी नितेश पंडो (24) बुधवार की सुबह करीब 6 बजे सोकर उठा और घर से बाहर निकला तो उसका सामना एक हाथी से हो गया। अपने सामने हाथी को देखकर वह पीछे घर के अंदर भागने लगा, तभी हाथी ने उसे दौड़ाते हुए कुचल कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनकर हाथी वहां से भाग गया। इस दौरान हाथी ने नितेश के घर के बाहर खड़ी बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इधर गंभीर रूप से जख्मी नितेश को इलाज क लिए परिजन प्रतापपुर स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। यहां उसका इलाज चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतापपुर धरमपुर सर्किल में 9 हाथी कई दिनों से विचरण कर रहे हैं। मंगलवार को हाथी राजपुर वन परीक्षेत्र में चले गए थे। इसके बाद पुनः बुधवार वापस लौट आए हैं। इसी दल में से एक दंतैल हाथी विछडक़र कनकनगर गांव में उत्पात मचा रहा है।

पर्यटन के क्षेत्र में जशपुर ले रहा नया रूप

एडवेंचर,इको-टूरिज्म को दिया जा रहा बढ़ावा

- संवाददाता -
जशपुरनगर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सार्थक पहल से जशपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में नया रूप ले रहा है। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर एडवेंचर और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही विगत दिवसों में मायली नेचर कैंप में सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकार की पहली बैठक आयोजित किए है।

छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला सुंदर वादियों और नदी पहाड़ झरना से परिपूर्ण खूबसूरत और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है अब जिला तेजी से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां के घने जंगल, पर्वतीय क्षेत्र, और अनोखी आदिवासी संस्कृति ने जशपुर को एक विशेष पहचान दिलाई है। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। जहां विगत दिवस 4 दिवसीय देश देखा में जम्बूरी उत्सव का आयोजन किया गया है । जहां बड़ी संख्या में युवाओं ने यहां पर्यटन का आनंद लिया नजदीक से जशपुर की लोकल संस्कृति परम्परा और कर्मा नृत्य का अनुभव जाना। पर्यटकों को रोमांचक अनुभव प्रदान करना है, बल्कि उन्हें जशपुर की प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपदा से भी जोड़ना है।

जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाना है। उनका उद्देश्य एक ऐसा पर्यटन मॉडल तैयार करना है, जो न केवल पर्यटकों के लिए रोमांचक हो, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखे पर्यटन को प्रकृति के करीब पहुंचाने का प्रयास किया है। प्राकृतिक संपदा जैसे घने जंगलों, पहाड़ियों और जल संसाधनों को भी पर्यटकों के अनुभव का हिस्सा बनाया है, जिससे न केवल पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव मिलता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी रोजगार मिलता है। जशपुर की जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के करीब लाना है। इसके तहत पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियाँ जैसे, बर्ड वॉचिंग, और प्राकृतिक स्थल भ्रमण आयोजित किए जाते हैं। इन गतिविधियों से पर्यटकों को पर्यावरणीय स्थिरता का भी ज्ञान मिलता है।

रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग, और नदी के किनारे कैंपिंग जैसी गतिविधियां पर्यटकों के लिए रोमांचक अनुभव साबित होती हैं। जशपुर के प्राकृतिक परिदृश्य में आयोजित इन गतिविधियों के जरिए पर्यटन न केवल जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता को देख सकते हैं, बल्कि साहसिक खेलों का आनंद भी ले सकते हैं।

जिला प्रशासन द्वारा समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रस्तुत करने के लिए अनुभवात्मक पर्यटन का प्रारूप तैयार किया है।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना के तहत मेरिट में आए विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना में छ.ग. बोर्ड के कक्षा 10 वीं 12 वीं की मेरिट में आये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को लक्ष्य की सीमा में 15 हजार रुपए राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किये जाने हेतु छात्रवृत्ति पोर्टल की वेबसाइट स्कॉलरशिप.सीजी.एनआईसी के माध्यम से आवेदन करने हेतु पोर्टल आरंभ किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा ने बताया कि उक्त पोर्टल के होम पेज पर मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना सत्र 2024-25 में छ.ग. बोर्ड के कक्षा 10 वीं 12 वीं की मेरिट में आये अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की मेरिट सूची भी देखी जा सकती है। छ.ग. बोर्ड के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की मेरिट में आये विद्यार्थियों की सूची संबंधित प्राचार्य, शासकीय, अशासकीय, उ.मा.वि., हाई स्कूल जिला सरगुजा को प्रेषित किया गया है।

उन्होंने बताया कि छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के मेरिट सूची में आये पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन के समय लगने वाले आवश्यक दस्तावेज (बोर्ड परीक्षा के रोल नम्बर का उपयोग कर पंजीयन आवश्यक प्रमाण पत्र (ऑनलाइन बने स्थायी जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, कक्षा 12वीं की स्थिति में महाविद्यालय स्तर के बोनाफाइड प्रमाण पत्र, महाविद्यालय का शुल्क रसीद, बैंक खाता की जानकारी भरेगें। आवश्यकतानुसार जरूरी प्रमाण पत्र अपलोड करें तथा 21 नवम्बर 2024 को सायं 05:00 बजे लक्ष्य सीमा में पात्र सभी विद्यार्थियों को पंजीयन कर सबमिट करें। उन्होंने संबंधित प्राचार्यों को अपात्र विद्यार्थियों की जानकारी डीईओ कार्यालय में उपलब्ध कराने।

चक्काजाम के कारण अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच सका युवक,कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित अन्य पर रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -

अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। एक सप्ताह पूर्व जिला कांग्रेस द्वारा जर्जर सडक़ को लेकर सिधमा-अम्बिकापुर मार्ग स्थित सरगवां में चक्काजाम किया गया था। चक्काजाम किए जाने से एक व्यक्ति अपने गंत्व्य तक नहीं पहुंच पाए था। इस मामले में पीड़ित ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित 25-25 कांग्रेसियों के खिलाफ गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 126 (2) व 191 (2) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जर्जर सडक़ को लेकर जिला कांग्रेस ने 22 अक्टूबर को सिधमा-अंबिकापुर मुख्य मार्ग स्थित सरगवां में चक्काजाम किया गया था। दोपहर करीब 12 से 2 बजे के बीच कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित 20-25 कांग्रेसी सडक़ पर कुर्सी लगाकर अनाधिकृत रूप से रास्ता बंद कर दिया था। इस कारण दो पहिया व चार पहिया से लोग आवागमन नहीं कर पा रहे थे। वहीं किशुननगर निवासी अभिषेक माली अपने गंतव्य तक नहीं जा सका। इस कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। मामले में अभिषेक माली ने गांधीनगर थाना में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित 20-25 कांग्रेसियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर कलेक्टर ने की अपील

» इस पावन अवसर पर दीप प्रज्जवलित कर पूरे परिवार और समाज के साथ मनाएं खुशियां

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आगामी 1 नवंबर 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य का स्थापना दिवस मनाया जाना है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा परिपत्र जारी कर आगामी 01 नवंबर को जिला मुख्यालयों और प्रमुख नगरों में दीप प्रज्वलित किए जाने कहा गया है। इसी कड़ी में कलेक्टर सरगुजा ने जिले के समस्त जिलेवासियों को दीप पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आगामी 01 नवम्बर 2024 को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दीप प्रज्वलित कर खुशियां मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य छत्तीसगढ़ उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर हो एवं राज्य में खुशहाली एवं समृद्धि कायम रहे। राज्योत्सव के अवसर पर जिलेवासियों से अपील है कि इस पावन अवसर को त्यौहार के रूप में मनाएं एवं अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यस्थलों पर सजावट करें एवं दीप प्रज्वलित कर राज्योत्सव की खुशियां पूरे परिवार एवं समाज के साथ मिलकर मनाएं। खुशहाली का यह दीप जिले के सभी घरों, गांवों, पंचायतों, नगरों एवं विकासखण्डों में भी प्रज्वलित हो। उन्होंने सभी को दीपावली एवं राज्योत्सव की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

स्वच्छ दीवाली शुभ दीवाली के तहत् स्वच्छता कार्यक्रम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के द्वारा चलाऐ जा रहे कार्यक्रम दिनांक 28 नवबंर से 03 नवम्बर तक स्वच्छ दिवाली शुभ दिवाली कार्यक्रम में आज सघन स्वच्छता अभियान के तहत् नगर पंचायत लखनपुर में अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल एवं नगर पंचायत लखनपुर के अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू के द्वारा बस स्टैंड एवं पटाखा दुकानों के आस पास के प्लास्टिक उठाकर एवं सफाई कर इस कार्यक्रम का शुंभारंभ एवं स्वच्छता का संदेश दिया गया। तत्पश्चात् वार्ड क्रमांक 06 में बन रहे मंगल भवन का निरीक्षण कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी विधासागर चौधरी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।तो वहीं स्वच्छता दीदियों के द्वारा एस. एल.आर.एम सेंटर की साफ सफाई की गई। एवं फूल पौधे लगाऐ गये। तत्पश्चात् आर.आर.आर. सेंटर में कचड़ा कलेक्शन से प्राप्त सामग्रियों को आम जनता के उपयोग हेतू रखा गया। ताकि जरूरमंद लोगो को.इसका लाभ मिल सके। इस कार्यक्रम में माननीय अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री दिनेश साहू , पार्षद अमित बारी , चन्द्र भान सिंह पूर्व पार्षद आलोक गुप्ता , मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री विधासागर चौधरी , सफाई दरोगा चन्द्रशेखर चौधरी , विनेश राम खलखो , स्वच्छता दीदीयां एवं सभी सफाई कामगार , उपस्थित थे।

अफगान महिलाओं पर बोलने की पाबंदी,तालिबान ने कुरान की तिलावत पर भी लगाया प्रतिबंध

काबुल,30 अक्टूबर 2024। तालिबान ने अफगान महिलाओं पर एक और कड़ा प्रतिबंध लागू किया है, जिसमें महिलाओं को एक-दूसरे की मौजूदगी में अपनी आवाज का इस्तेमाल करने पर पाबंदी लगाई गई है। अगर एक से ज्यादा महिलाएं एक साथ इकट्ठी हैं तो वे आपस में बातें नहीं कर पाएंगी। तालिबान के उप-प्रधानमंत्री और उपदेश एवं सदाचार मंत्री मोहम्मद खालिद हनफी ने एक ऑडियो बयान जारी कर कहा कि महिलाएं अब एक-दूसरे की मौजूदगी में कुरान की तिलावत नहीं कर सकतीं। यानी वे अब कुरान की आयतें नहीं पढ़ सकती हैं। इस आदेश की जानकारी अमेरिका स्थित अमु टीवी ने दी है। यह अफगानिस्तान के पूर्व पत्रकारों द्वारा संचालित चैनल है।

'महिला की आवाज से तकबीर संभव नहीं है, तो गायन का सवाल ही नहीं उठता'

हनफी ने अपने बयान में कहा,अगर एक महिला को तकबीर नहीं कहने दिया जा सकता, तो भला उसे गाने की अनुमति कैसे दी जा सकती है। हनफी ने यह भी कहा कि महिला की आवाज को अवरा समझा जाता है, जिसका अर्थ है कि इसे ढका जाना चाहिए और सार्वजनिक रूप से सुनाई नहीं देनी चाहिए, चाहे वह अन्य महिलाओं के बीच में ही क्यों न हो।

मोहम्मद खालिद हनफी तालिबान के सुप्रीम लीडर के करीबी माने जाते हैं और उन पर संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंध और यूरोपीय संघ द्वारा प्रतिबंध लगाए गए हैं। अगस्त 2021 में सत्ता में लौटने के बाद, तालिबान ने महिलाओं के अधिकारों पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, जो उनके 1990 के दशक के शासन की याद दिलाते हैं, जब उन्होंने टेलीविजन और संगीत को भी निषेध कर दिया था। अब तालिबान ने पैमाना तय कर दिया है कि महिलाएं कितना बोलेंगी, किसके बगल में बैठेंगी, किसके साथ बाहर निकलेंगी और क्या पहनेंगी।

महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन पर रोक

पिछले तीन वर्षों में, तालिबान ने अफगान लड़कियों की मिडल और हाई स्कूल तक की शिक्षा, विश्वविद्यालय में पढ़ाई और सरकारी व अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठनों में रोजगार के अवसरों को भी बंद कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अफगान महिलाओं के सामाजिक जीवन पर भी सख्ती से नियंत्रण लगाया है, जिनमें ब्यूटी सैलून बंद करना, यात्रा के लिए पुरुष संरक्षक की आवश्यकता, पूरे शरीर और चेहरे को ढकने का अनिवार्य आदेश, और महिला समाचार प्रस्तोताओं के लिए प्रसारण के दौरान मास्क पहनना शामिल हैं। अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़ती पाबंदियों ने देश की महिलाओं के अधिकारों और स्वतंत्रता को और संकीर्ण कर दिया है।

अरबपति एलन मस्क ने अपने 11 बच्चों और उनकी मां के लिए घर खरीदा,कीमत उड़ा देगी होश

वाशिंगटन,30 अक्टूबर 2024। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने अपने 11 बच्चों और उनकी माताओं के लिए टेक्सास में गुप्त रूप से अरबों की कीमत का आशियाना खरीदा है। 14400 वर्ग फुट में फैले इस आलीशान घर की कीमत 295 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मस्क ने चार साल पहले यह कहकर सभी को चौंका दिया था कि वे अपने लिए कोई घर नहीं खरीदेंगे और सारी संपत्तियां बेच देंगे।

एनवाईटी की रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क द्वारा खरीदी गए घर में दो संपत्तियां शामिल हैं, जो एक इतालवी टस्कन विला जैसी है। इसके ठीक पीछे एक छह बेडरूम वाला घर है। सूत्रों ने बताया कि मस्क ने घर की बिक्री को पूरी तरह से गोपनीय रखने की कोशिश की है। NYT की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है, ÷उन्होंने कुछ मकान मालिकों को उनके मकान की कीमत से 20 से 70 प्रतिशत अधिक कीमत की पेशकश भी की थी।

मस्क के करीबी लोगों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क का घर खरीदने के पीछे की वजह यह है कि वह चाहते हैं कि उनके बच्चे आपस में घुले-मिलें।

मस्क की पत्नियां और बच्चे

एलन मस्क की पहली पत्नी जस्टिन विल्सन से पांच बच्चे हैं। यह शादी 2000 से 2008 तक चली। दूसरी पत्नी गायिका ग्रिम्स से उनके तीन बच्चे हैं। हालांकि, मस्क और ग्रिम्स बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। अरबपति मस्क के शिवोन ज़िलिस से भी तीन बच्चे हैं।

रूस ने गूगल पर क्यों लगाया धरती की कुल संपत्ति से भी ज्यादा जुर्माना ? दिलचस्प है मामला

मॉस्को, 30 अक्टूबर 2024। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय टेक्नोलॉजी कंपनी त्रश्भ्दद्यद्द इंटरनेट से जुड़ी कई सेवाएं प्रदान करती है। इसे मुख्य रूप से एक सर्च इंजन के रूप में जाना जाता है। गूगल ने भले ही लोगों की जिंदगी को कितना भी आसान क्यों न बनाया हो लेकिन वैश्विक स्तर पर इसे कई बार भारी जुर्माने का सामना करना पड़ा है। पिछले दस वर्षों में, इस पर विभिन्न देशों द्वारा लगभग 14 अरब डॉलर के जुर्माने लगाए गए हैं। हालांकि, रूस में त्रश्भ्दद्यद्द पर बकाया जुर्माने की राशि एक चौंकाने वाली संख्या तक पहुंच गई है।

रूसी सरकारी मीडिया आउटलेट आरबीसी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, Google पर रूस में करीब 2 अनडिसिलियन रूबल (अमेरिकी डॉलर में 2.5 डेसिलियन) का जुर्माना बकाया है। एक अनडिसिलियन में 66 शून्य होते हैं, जो मौजूदा वैश्विक जीडीपी से कहीं अधिक है। सीधे शब्दों में कहें तो धरती पर मौजूद ज्ञात संपत्ति से कहीं ज्यादा ये जुर्माना है।

क्या है विवाद की शुरुआत?

यह मामला करीब चार साल पहले शुरू हुआ, जब Google ने YouTube से क्रेमलिन समर्थक और सरकार-नियंत्रित मीडिया चैनलों जैसे त्सारग्राद टीवी और

आरआईए फैन के अकाउंट हटा दिए थे। Google का कहना था कि इन अकाउंट ने प्रतिबंधात्मक कानून और व्यापार नियमों का उल्लंघन किया है। इसके बाद, मास्को कोर्ट ने आदेश दिया कि त्रश्भ्दद्यद्द इन चैनलों के अकाउंट को बहाल करे, और इस आदेश का पालन न करने पर 100,000 रूबल का दैनिक जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया।

यूक्रेन-रूस युद्ध और बढ़ते जुर्माने की समस्या

2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद स्थिति और अधिक गंभीर हो गई। YouTube ने रूस के अन्य सरकारी मीडिया चैनलों जैसे NTV, रूस 24, RT और स्पुतनिक के अकाउंट को भी बंद कर दिया, जिससे रूस के 17 टीवी चैनलों ने Google के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए। इसके परिणामस्वरूप, जुर्माने की राशि हर दिन बढ़ने लगी।

रूस में गूगल का वित्तीय संकट

2022 में, Google की रूसी इकाई Google LLC ने रूस में अपनी वित्तीय संकट के कारण दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन किया था। उस समय तक, कंपनी पर 19 अरब रूबल का कर्ज हो गया था, जबकि देश में उसके पास केवल 3.5 अरब रूबल की संपत्ति थी। हाल ही में, त्रश्भ्दद्यद्द ने रूस में नए अकाउंट के निर्माण पर रोक लगाई है और इससे पहले एडसेंस अकाउंट को डीएक्टिवेट कर दिया।

यूक्रेन से युद्ध में उलझे रूस ने इस साल खरीदी बहुत कम शराब, 20 वर्षों में पहली बार

मॉस्को, 30 अक्टूबर 2024। यूक्रेन और रूस दो साल से अधिक

समय से युद्ध में उलझे हुए हैं। दोनों देश एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। रूसी सेना यूक्रेनी शहरों को तबाह कर रही है तो यूक्रेनी लड़ाके भी रूस के भीतर घुसपैठ कर रूस को चौंका रहे हैं। दोनों देशों के बीच बराबरी की टक्कर चल रही है। इस बीच रूस को लेकर ऐसी रिपोर्ट सामने आई है कि इस साल रूस ने सबसे कम शराब का आयात किया, यह आंकड़ा 20 वर्षों में सबसे कम है।

रूस ने इस साल की शुरुआत से अब तक यूरोपीय संघ से 126000 टन शराब का आयात किया है, जो पिछले 20 वर्षों में शराब आयात का सबसे निचला स्तर है। स्पूतनिक ने यूरोपीय सांख्यिकी कार्यालय (यूरोस्टैट) के आंकड़ों के आधार पर बुधवार को यह जानकारी दी।

गाजा में इजरायल ने एक ही हमले में बिछा दीं 100 से ज्यादा लाशें, मंजर देख अमेरिका भी सहमा

गाजा,30 अक्टूबर 2024। हमास के गढ़ गाजा पर इजरायल के भीषण हमले जारी हैं। इजरायल ने गाजा के बेत लाहिया में आवासीय भवनों पर भीषण बमबारी में 100 से अधिक लोगों को मार डाला। देर रात हुए हमले में लोग सोते-सोते ही जिंदा दफन हो गए। गाजा में पिछले तीन महीने के भीतर यह सबसे घातक हमला है। इजरायल के एक ही हमले में लाशों का अंबार देखकर अमेरिका भी सहम गया। अमेरिका ने इस हमले को भयावह कहा है।

इजरायल ने लगातार दो दिन यहां बमबारी की और सैकड़ों लाशें बिछा दी। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों में कम से कम 25 बच्चे थे। जीवित लोगों की तलाश की जा रही है। मरने वालों की संख्या 110 पार कर गई है। गाजा में अब तक इजरायली हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 44 हजार पार कर गई है। उधर, इजरायली हमले के बाद बेत लाहिया शहर को आपदा ग्रस्त घोषित कर दिया गया है।

इजरायल की सेना ने गाजा के बेत लाहिया में आवासीय भवनों पर मंगलवार और बुधवार को बमबारी की। बुधवार को ताजा हमले में कम से कम 19 फिलिस्तीनी मारे गए। इससे पहले मंगलवार को गाजा के उत्तरी शहर में हुए भीषण हमले के जख्म अभी तक भरे नहीं हैं। सुरक्षा कर्मी इलाके में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। अभी भी मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका है। हमले में कम से कम 110 लोग मारे गए हैं।

गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के अनुसार, मंगलवार देर रात को इजरायल द्वारा किए गए बम विस्फोट में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और परिवार सोते-सोते जिंदा दफन हो गए। इजरायली हमले के बाद शहर का मंजर इतना खौफनाक है कि अमेरिका ने इस हमले को भयावह कहा है। इज़रायली सेना ने कहा कि वह हमले की रिपोर्टों की जांच कर रही है।

बेत लाहिया को आपदाग्रस्त घोषित किया

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (OHCHR) ने कहा कि वह शहर में इजरायली कत्लेआम से स्तब्ध है। यूएन ने इसे गाजा में पिछले तीन महीनों में हुए सबसे घातक हमलों में से एक बताया। उत्तरी गाजा में बेत लाहिया की नगरपालिका ने कई हफ्तों से लगातार इजरायली बमबारी और सैन्य घेराबंदी के बीच शहर को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया है। UNRWA के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उत्तरी गाजा के दृश्यों को विनाशकारी बताया।

अमेरिका में 6 दिन बाद राष्ट्रपति के लिए मतदान,कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप में कौन पहली पसंदःसर्वे

वाशिंगटन, 30 अक्टूबर 2024। अमेरिका में नए राष्ट्रपति को चुनने के लिए लोगों के पास अब गिनती के दिन रह गए हैं। आगामी 5 नवंबर को होने वाले मतदान से ताजा सर्वे चौंकाने वाला है। राष्ट्रपति की रेस में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस का मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन कैंडिडेट डोनाल्ड ट्रंप से है। दोनों के बीच कांटे की टक्कर चल रही है। ताजा सर्वेक्षण में पता लगा है कि दोनों में कौन बेहतर है या अमेरिकियों की पहली पसंद कौन है। पिछले दिनों सर्वेक्षण में जहां हैरिस ने बढ़त बना ली थी। ताजा सर्वे ट्रंप को खुश करने वाले हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव जैसे नजदीक आ रहा है, उम्मीदवारों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों और उनके समर्थकों पर हमले शुरू कर दिए हैं। कमला हैरिस ने वाशिंगटन डीसी में समर्थकों से बात की, यह वह स्थान है जहां ट्रम्प ने 6 जनवरी 2021 को कैपिटल पर हमले से पहले समर्थकों को संबोधित किया था। दूसरी तरफ ट्रम्प पेन्सिलवेनिया के एलेनटाउन में अपने समर्थकों के बीच थे, जहां दो दिन पहले ही एक

हास्य अभिनेता ने न्यूयॉर्क में उनकी रैली के दौरान मंच से नस्लवादी टिप्पणी की थी।

बाइडेन ने ट्रंप और उनके समर्थकों को कचरा कहा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की तुलना कचरे से कर दी। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी ट्रंप को ''अस्थिर'' और ''बदला लेने के लिए जुनूनी'' बताया। बाइडेन, कुछ दिन पहले एक हास्य कलाकार द्वारा की गई एक मजाकिया टिप्पणी को लेकर अपनी बात रख रहे थे, जिसमें हास्य कलाकार ने ट्रंप की रैली में प्यूर्टो रिको की तुलना ''कचरे के द्वीप'' से की थी।

ताजा सर्वे क्या कहता है

रॉयटर्स/इप्सोस सर्वेक्षणों के अनुसार, चुनाव के अंतिम चरण में हैरिस की ट्रम्प पर बढ़त कम हो गई है। राष्ट्रीय स्तर पर रिपब्लिकन पर हैरिस की बढ़त मात्र एक प्रतिशत रह गई है, 44 प्रतिशत बनाम 43 प्रतिशत। सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि सितंबर के आखिर से हैरिस की बढ़त में लगातार गिरावट आई है। 16-21 अक्टूबर के बीच रॉयटर्स/इप्सोस के पिछले सर्वेक्षण में हैरिस को ट्रंप से दो अंकों की बढ़त मिली थी।

वहीं, प्रमुख अमेरिकी पोलस्टर रासमुसेन द्वारा किए गए एक अलग टेलीफोन और ऑनलाइन सर्वेक्षण से पता चलता है कि हैरिस को चुनाव में नुकसान हो सकता है। सर्वेक्षण के अनुसार, अमेरिकी मतदाताओं में से 47 प्रतिशत उनके बारे में सकारात्मक राय रखते हैं, जबकि 33 प्रतिशत उनके बारे में ÷बहुत÷ सकारात्मक राय रखते हैं। हालांकि, 51 प्रतिशत उनके बारे में नकारात्मक राय रखते हैं और 44 प्रतिशत ने हैरिस को ÷बहुत÷ नकारात्मक कहा है।

यूक्रेन युद्ध में किम जोंग की एंट्री ने यूरोप से US तक की उड़ाई नींद

भारत के मित्र देश को क्यों टेंशन

नई दिल्ली,30 अक्टूबर 2024। यूक्रेन-रूस जंग में अब सनकी तानाशाह किम जोंग उन के शासनवाले उत्तर कोरिया के भी कूदने की खबर है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने इस युद्ध में रूस की मदद करने के लिए करीब 10 हजार सैनिकों को भेजा है, जो यूक्रेन के मुंहाने पर खड़े हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेन सीमा से कुछ ही मील की दूरी पर डटे हुए हैं। ह्रझह प्रमुख ने जहां इस कदम को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में एक अहम मोड़ करार दिया है, वहीं अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने इस बात पर चिंता जताई है कि रूस इन सैनिकों का इस्तेमाल कुर्स्क क्षेत्र में कर सकता है, जहां यूक्रेनी सैनिकों ने अगस्त में भारी आक्रमण और कब्जा किया था।

NATO के महासचिव जनरल मार्क रूट ने कहा है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती और भागीदारी से एक तरफ हिन्द-प्रशांत महासागर तो दूसरी तरफ यूरोपीय-अटलांटिक क्षेत्र में सुरक्षा खतरों को बढ़ावा मिल सकता है और इससे क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी हो सकती है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बार फिर से यूक्रेन के साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया है और कहा है कि अगर उत्तरी कोरियाई सेना यूक्रेन की धरती पर कदम रखती है तो वोलोडिमीर जेलेंस्की सरकार को उसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

दो देशों की लड़ाई में पहली बार किसी देश की सेना की सीधी एंट्री

अगर उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेन में प्रवेश करते हैं तो ऐसा पहली बार होगा, जब रूस-यूक्रेन जंग में किसी तीसरे देश का सीधे तौर पर हस्तक्षेप होगा। हालांकि, भाड़े के सैनिक दोनों ही तरफ से लड़ रहे हैं और कई देश दोनों ही तरफ से भारी मात्रा में हथियार उपलब्ध करा रहे हैं लेकिन सीधे तौर पर युद्ध में कूदने से अभी तक देश बचते रहे हैं। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने अमेरिका और नाटो के इस दावे और आशंकाओं को खारिज किया है कि उत्तर कोरियाई सैनिक इस जंग में उसका साथ

देने उतरे हैं। बता दें कि उत्तर कोरिया पिछले करीब तीन साल से रूस को सैन्य रूप से सहयोग करता रहा है। रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है कि करीब तीन साल के युद्ध में रूस के करीब 71000 सैनिक मारे जा चुके हैं, जबकि कुल हताहत रूसी सैनिकों की संख्या करीब 6.5 लाख है।

भारत के दूसरे मित्र देश को क्यों टेंशन

रूस भारत को घनिष्ठ मित्र है। इस युद्ध में उत्तर कोरिया के उतरने से जहां रूस पश्चिमी गठजोड़ के सामने मजबूत होगा, वहीं भारत का दूसरा मित्र देश जापान संकट में फंस सकता है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में व्याख्याता एडवर्ड हॉवेल के हवाले से अल जजीरा ने लिखा है कि उत्तर कोरिया के इस कदम से कोरियाई प्रायद्वीप और पूर्वी एशिया की राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर बुरा असर पड़ सकता है। हॉवेल के मुताबिक, यह घटनाक्रम तब हो रहा है, जब उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया में तनाव गहराता जा रहा है। इसी महीने 15 अक्टूबर को कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव तब बढ़ गया, जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया को जोड़ने वाली सड़कों को डायनामाइट से विस्फोट कर उड़ा दिया था।

हॉवेल ने आशंका जताई कि उत्तर कोरिया द्वारा रूस का सैन्य साथ देने के बदले रूस उत्तर कोरिया को सैन्य तकनीक मुहैया करा सकता है, जिसकी बदौलत उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया के खिलाफ किसी भी उकसावे को अंजाम दे सकता है। ऐसी स्थिति में यह तनाव सिर्फ दक्षिण कोरिया तक ही सीमित नहीं रहकर पड़ोसी जापान को भी चपेट में ले सकता है क्योंकि जापान भी दक्षिण कोरिया की तरह अमेरिका का सहयोगी है। संयोग से जापा भारत का अहम मित्र देश है, जो उत्तर कोरिया के हालिया कदम से टेंशन में है। जापान और चीन के बीच भी इस क्षेत्र में टकराव होता रहा है। कुल मिलाकर देखें तो पूर्वी एशिया में वाशिंगटन के दो सहयोगियों दक्षिण कोरिया और जापान के लिए किम जोंग उन ने रूस का साथ देकर खतरे की घंटी बजा दी है।

नवपदस्थ कलेक्टर एस. जयवर्धन ने नवाटोला चेकपोस्ट का किया सघन निरीक्षण

भैयाथान अनुविभागीय तथा तहसील कार्यालय में राजस्व संबधित अभिलेखों की गहनता से की जांच, उप स्वास्थ्य केंद्र मोहली, बालक-बालिका छात्रावास बिहारपुर, पीएम श्री स्कूल मोहली का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

नवपदस्थ कलेक्टर एस. जयवर्धन ने नवाटोला चेकपोस्ट का सघन निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने धान खरीदी के पूर्व धान के सम्भावित अवैध बिक्री और परिवहन पर अभी से सतर्क रहने और तैयारी करने के निर्देश उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिये। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा भैयाथान अनुविभागीय कार्यालय तथा तहसील कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया। जहां उन्होंने निरीक्षण के दौरान राजस्व संबंधित अभिलेखों की गहनता से जांच की और राजस्व प्रकरणों को समय सीमा में पूर्ण करने के दिशा निर्देश दिये।

दूरस्थ अंचल बिहारपुर क्षेत्र में उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र मोहली, बालक-बालिका छात्रावास बिहारपुर, पीएम श्री स्कूल मोहली का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने उपस्वास्थ्य केंद्र मोहली में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों से केंद्र में आने वाले मरीजो की संख्या, रजिस्टर में दर्ज आंकड़ो, दवा वितरण इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्टॉफ को नियमित समय पर उपस्थिति दर्ज कराने के तथा उपस्वास्थ्य केंद्र में दवाईयों के पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, एसडीएम श्री सागर सिंह, ओड़गी जनदप पंचायत सीईओ डॉ. नृपेन्द्र व अन्य जिला तथा ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एक बार फिर न्यू कोरबा हॉस्पिटल द्वारा इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूलने का मामला आया सामने, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप

-राजा मुखर्जी-
कोरबा,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले मे कोसाबाड़ी स्तिथ न्यू कोरबा हॉस्पिटल जो अमूमन इलाज के नाम मोटी रकम वसूलने के नाम से सुर्खियों मे बना रहता है, बीती रात भी एक बार फिर से मरीज के इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूलने का मामला आया सामने। मरीज के स्वजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाया है के मरीज जिन्हे कटघोरा क्षेत्र से इलाज के लिए न्यू कोरबा हॉस्पिटल मे भर्ती कराया गया था पर इलाज मे लगे डॉक्टरों ने परिजनों को इलाज की सही जानकारी नहीं दी और इलाज के नाम पर उनसे पांच लाख रुपये भी वसूल लिए,बावजूद इसके मरीज की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ । 29 अक्टूबर की शाम जब मरीज की तबीयत बिगड़ी और शरीर में संक्रमण फैलने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन ने दी, तब मरीज के परिजन नाराज हो गए और हॉस्पिटल प्रबंधन के खिलाफ हंगामा खड़ा कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर पुलिस को बुलाया गया, जिसने किसी तरह स्थिति को संभाला।वैसे इस मामले मे दोनों पक्षों ने रामपुर सिविल लाइन थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई है। बता दें के यह कोई पहला मामला नहीं है जब न्यू कोरबा हॉस्पिटल पर आरोप लगे हो,पहले भी यहां के डाक्टरों की लापरवाही के चलते कई मरीजों को अपनी जान गवानी पड़ी हैं, और मरीजों के इलाज के नाम पर भी बगैर सही इलाज के मोटी रकम वसूलने के मामले प्रकाश में आए हैं, बावजूद इसके अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

राज्य स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय में किया जाएगा दीप प्रज्वलन

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सामान्य प्रशासन विभाग रायपुर के निर्देशानुसार 01 नवम्बर 2024 राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालयों एवं प्रमुख नगरों में दीप प्रज्वलन किया जाना है। निर्देश के परिपालन में कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का ने संबंधित अधिकारियों को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालयों एवं नगरों के चौक-चौराहों पर दीप प्रज्वलन करने के निर्देश दिए है। साथ ही कलेक्टर श्री एक्का ने जिलेवासियों से अपील की है कि 01 नवम्बर स्थापना दिवस पर अपने घरों में दीप प्रज्वलन अवश्य करें।

दीपावली पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं की पहल

मिट्टी के दिये से दिवाली मनाने की परंपरा और संस्कृति संरक्षित करती स्व-सहायता समूह की महिलाएं

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ''बिहान'' के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा दीपावली के अवसर पर रंग-बिरंगे मिट्टी के दीयों का निर्माण और विक्रय किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य न केवल स्थानीय महिलाओं को आजीविका प्रदान करना है बल्कि परंपरागत हस्तकला को बढ़ावा देना भी है। विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत सरनाडीह क्लस्टर अंतर्गत गठित ज्योति महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय भवन में दीपों की बिक्री के लिए स्टॉल लगाया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों ने मिट्टी के दियों को खरीदकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनकी कला की प्रसंशा की। समूह की इस मेहनत का परिणाम यह रहा कि एक ही दिन में कुल 200 पैकेटों की बिक्री कर 20,000 रुपये की आय प्राप्त हुई। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह द्वारा बनाए गए इन दीपों की विशेषता उनकी आकर्षक रंग-बिरंगी सजावट है, जो पारंपरिक शैली और आधुनिक डिजाइनों का अद्भुत संगम है। समूह की सदस्याओं ने दीपावली की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के दीयों का निर्माण किया है, जिन्हें लोगों ने दीपावली के सजावट के लिए प्राथमिकता से खरीदा।

कलेक्टर श्री एक्का ने भी इस पहल की प्रशंसा की और बलरामपुर के नागरिकों से स्थानीय उत्पादों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को और बढ़ावा दिया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री रेना जमील ने समूह की महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि ''बिहान'' मिशन के माध्यम से इन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के प्रयासों से न केवल समूहों की आय में वृद्धि होती है, बल्कि पर्यावरण-अनुकूल सामग्री से बने उत्पादों के उपयोग को भी प्रोत्साहन मिलता है।

जिला अधिकारियों को दिया गया बाल विवाह एवं चाईल्ड ट्रैफिकिंग की जानकारी

-संवाददाता-
एमसीबी,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर सभागार में कलेक्टर एवं जिले के सभी विभागों के जिला अधिकारियों की उपस्थिति में एक्सेस टू जस्टिस प्रोजेक्ट फॉर चिल्ड्रेन प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रोजेक्ट के डायरेक्टर सुशील शर्मा हार्ड (समग्र कार्रवाई अनुसंधान और विकास) संस्था छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रोजेक्ट के उद्देश्य एवं कार्य विधि का प्रस्तुतीकरण करते हुए कहा गया कि यह बच्चों के न्याय तक पहुंच का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। जिसमें यह प्रयास किया जा रहा है कि बच्चों के विरुद्ध अपराध करने वाले सजा से न बच सके। बाल विवाह एवं चाईल्ड ट्रैफिकिंग़ बाल श्रम को रोकना तथा इस कार्य में समुदाय की भागीदारी बढ़ाना तथा बच्चों के अधिकार संरक्षण में लगे सरकारी विभागों का प्रशिक्षण एवं क्षमता वर्धन करना। प्रस्तुतीकरण में इससे जुड़े कानूनों के बारे में बताते हुए जिले में जमीनी स्तर के अनुभव का कार्यकर्ताओं के परिचय कराते हुए कहा कि बौरीडांड एवं चरवाही में कम उम्र की लड़कियों का विवाह कर देते हैं तथा गांव में बच्चों के पिताजी बड़े किसान से पैसे ले कर बच्चे को गहना गिरवी तक रख देते हैं। कलेक्टर के द्वारा सभी विभागीय अधिकारीयो को बाल श्रम एवं बाल विवाह पर जगरूक हो कर कार्य करने का निर्देश दिया गया। परियोजना कार्यकर्ताओं को सहयोग करने के लिए कहा गया। हार्ड संस्था द्वारा कहा गया कि ऐसा ढांचा बने कि यदि कोई बच्चा लगातार स्कूल नहीं जाता है तो शिक्षक को जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट करना चाहिए तथा फॉलोअप करना चाहिए। जिला महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा शीघ्र चाइल्ड लाइन एवं आईसीपीएस की शीघ्र भरे जाने की जानकारी प्रदान की। इस पूरे कार्यक्रम में जिला श्रम विभाग के विनय सिंह तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी शुभम बंसल का सहयोग रहा तथा इसे जिले में लगातार सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए कहा गया।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने की अपील

आइए...एक दीप जलाएं...राज्योत्सव की खुशियों में भागीदार बने

-संवाददाता-
कोरिया 30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि 01 नवम्बर को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के इस विशेष अवसर पर, आइए हम सभी एकजुट होकर जिले को दीपों के उजाले से रौशन करें। इस पर्व पर अपने घरों, आंगनों, छतों और शासकीय-अशासकीय स्थानों में दीप प्रज्वलित कर, हम सभी छत्तीसगढ़ की प्रगति और समृद्धि के प्रति अपना स्नेह और प्रतिबद्धता प्रकट करें। इसी कड़ी में आज छत्तीसगढ़ शासन ने आदेश भी जारी किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 01 नवम्बर को सभी जिला मुख्यालयों में एवं प्रमुख नगरों में दीप प्रज्जवलन किया जाना है। श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि कोरिया जिले की खूबसूरती और खनिज संसाधनों का संरक्षण और विकास हम सभी का कर्तव्य है। इस राज्योत्सव पर अपने जिले को प्रकाशमय बनाकर, हम इसके विकास के संकल्प को मजबूत करें। आइए, एक दीप जलाएं, राज्योत्सव की खुशियों में भागीदार बनें।

कार मे आगजनी की घटना के पूर्व आरोपी के खिलाफ शिकायत के बाद भी पुलिस की लेट लतिफी कार्यवाही, व्यापारियों ने जताया आक्रोश, किया प्रदर्शन

-संवाददाता-
कोरबा,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बीती रात जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतागत दर्री रोड मे किसी उपद्रवी द्वारा एक व्यापारी के कार को आग के हवाले कर दिया गया जिससे कार पूरी तरह से जल गई ।बताया जा रहा है कि उक्त आरोपी के खिलाफ घटना घटित होने से पूर्व शिकायत आस पास के व्यापारियों द्वारा कोरबा कोतवाली पहुंचकर की गई ,पर व्यापारियों का कहना है के पुलिस द्वारा कार्यवाही करना तो दूर की बात, किसी प्रकार की गंभीरता भी नही दिखाई गई एवं उक्त घटना पर पुलिस द्वारा कोई तत्परता पूर्ण कार्यवाही भी नही की गई । व्यापारियों का कहना हैं के शिकायत पर पुलिस ने कहा के घटना अभी हुई नही है, जब होगी तब कार्यवाही करेंगे जिसका नतीजा यह हुआ के एक व्यापारी के कार को आग के हवाले कर दिया गया साथ ही कई वाहनो पर भी तोड़फोड़ की गई,जिससे आक्रोषित होकर क्षेत्र के व्यापारियों ने दर्री रोड क्षेत्र मे प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम कर दिया । जिसपर पुलिस के आला अधिकारीयों को सूचित किया गया। सूचना पर गंभीरता दिखाते हुए जिले के पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी द्वारा उक्त उपद्रवी व्यक्ति पर जल्द से जल्द कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। उक्त निर्देश का पालन करते हुए कोतवाली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 639/24 धारा 326 (एफ) भारतीय न्याय संहिता कायम कर एवं 640/24 धारा 309(4) भारतीय न्याय संहिता कायम कर आरोपी चंदन गोंड पिता श्यामलाल गोंड उम्र 22 वर्ष निवासी रामसागर पारा को अभिरक्षा में लिया गया एवं न्यायिक रिमांड में भेजा गया है साथ ही पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि इसमें पृथक से जिला बदर की भी कार्यवाही आरोपी के विरुद्ध की जाएगी। चक्काजाम के दौरान व्यापारियों ने बताया के पुलिस जो कहती है वह करती नही वह घटना होने का इंतजार करती है, यदि बीती रात हुई घटना मे पुलिस तत्परता दिखाती तो उक्त आरोपी आगजनी की घटना को अंजाम नही दे पाता। व्यापारियों का कहना है उक्त घटना होने से पूर्व संभावित अपराध के संबंध में सूचना दी गई , तो उसके बाद भी पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसके कारण अपराधी का हौसला बुलंद होते हुए रात में ही मौका पाकर कार मे आग लगा दी गई,जो सी.सी.टी. वि कैमरा मे कैद हो गया। उक्त घटना पर स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस की लेट लतिफी कार्यवाही के खिलाफ रोष जताते हुए किया प्रदर्शन, जिसे आलाधिकारीयों के समझाईस के बाद समाप्त किया गया एवं व्यापारियों द्वारा सुरक्षा को लेकर की गई मांगो पर सहमति दी गई।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,(E&M) DIVISION
PUBLICE HEALTH ENGG. DEPTT. AMBIKAPUR(C.G)

NO. 01/2024-2025/TS/E.E/E&M/Dn.P.H.E.D/Ambikapur Date 25/10/2024

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh for Supply of following Materials from manufacturers of their authorized dealers or registered with their out breed dealers.

S. No	Brief Description of Materials	Qty.
01	Supply of 6"dia(142mm) valve less/ Digger type or equivalent Hammer suitable for 150 mm dia tubewell drilling by 275 PSI capacity hydraulically operated rigs	16Nos

Note:-
01. Cost of Tender From-750-00
02. Estimated Cost(In Rs):-912000-00(GST Extra)
03. Earnest Money (In Rs.)9120-00
04. Bid Submission Date:-25/10/2024 to 14/11/2024
05. Terms of tender and details of material can be seen in the office during office hours.
06. Conditional tender will not be accepted

Executive Engineer
(E&M) PHED Division
Ambikapur(C.G)

G.No.- 242503539/1

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए हनुमान की तरह करते हैं काम?

प्रदेश में वैसे तो हैं 11 मंत्री लेकिन दौड़ सबसे ज्यादा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ही लगा रहे हैं...

स्वास्थ्य मंत्री सरकार के लिए हर विभाग की जिम्मेदारी लेकर सार्वजनिक जाहिर करते हैं अपनी प्रतिक्रिया

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री वंदे भारत एक्सप्रेस से भी तेज चल रहे हैं...हर जगह उनकी उपस्थिति दर्ज होती नजर आ रही है...

गंभीर बीमारी साथ ही आर्थिक स्थिति से कमजोर ऐसे लोगों के साथ खड़े नजर आ रहे हैं श्याम बिहारी,जिन्हे निःशुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की है दरकार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज उन लोगों के साथ भी खड़े नजर आ रहे हैं जो लोग आर्थिक रूप से कमजोर तो हैं ही वहीं उन्हें अपने या अपने किसी परिजन के इलाज में आर्थिक दिक्कत आ रही है। कई ऐसी बीमारी जिनके इलाज में पैसा बहुत लगना है और जिन्हें यह बीमारी है उनके या उनके परिजनों के पास इतना पैसा नहीं है कि वह इलाज करा पाएं उनके लिए श्याम बिहारी किसी अवतार से कम साबित नहीं हो रहे हैं।वह इलाज के लिए उनके हर संभव मदद का वादा कर रहे हैं और इलाज का प्रबंध भी कर रहे हैं। श्याम बिहारी ऐसे लोगों से सहृदयता के साथ मुलाकात कर रहे हैं और वह अपनी सहजता से उन्हें आश्वासन देकर और मदद कर उन्हें लाभ प्रदान हो ऐसा सम्भव कर रहे हैं।

-विशेष संवाददाता-
रायपुर,30 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मंत्री बनते ही विवादों के चपेट में आ गए थे,खबरों में भी उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरीं ऐसा लगा कि स्वास्थ्य मंत्री अब उड़ ही जाएंगे, विवाद भी कुछ अजीबोगरीब रहा अपने ओएसडी से लेकर तमाम तरह की परेशानियों से वह घिरे रहे, आलोचनाएं भी उन्हें खूब झेलनी पड़ी पर अचानक उन्होंने अपने अंदर परिवर्तन लाया,परिवर्तन ऐसा लाया कि अब तो वह मुख्यमंत्री के लिए ही हनुमान साबित हो रहे हैं,हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि मुख्यमंत्री की सारी जवाबदारी इस समय स्वास्थ्य मंत्री के कंधों पर ही देखी जा रही है, वहीं अपना विभाग तो है ही, विवादों के बीच उन्होंने अपने आप को संभालने के लिए प्रयास किया साथ ही पार्टी ने भी स्वास्थ्य मंत्री पर भरोसा बनाए रखा, आज यह भले से उपमुख्यमंत्री नहीं है पर उपमुख्यमंत्री से कम भी नहीं हैं क्योंकि अब यह मुख्यमंत्री की ही जिम्मेदारियां को भली भांति लिए चल रहे हैं,जहां मुख्यमंत्री होते हैं वहां स्वास्थ्य मंत्री आपको मिल ही जाएंगे, मुख्यमंत्री का भरोसा भी लगता है स्वास्थ्य मंत्री पर ही सबसे ज्यादा है इसीलिए उनका प्रतिनिधित्व भी कई बार करते नजर आए हैं। सरकार को लेकर भी स्वास्थ्य मंत्री भारत के वंदे भारत ट्रेन से भी ज्यादा तेज चल रहे है जहां सभी मंत्रियों से वह तेज काम करते नजर आ जाएंगे, स्वास्थ्य मंत्री लगातार दौड़ते नजर आएंगे उनकी व्यस्तता हमेशा ही बनी रहती है सभी के बीच पहुंचना उनकी प्राथमिकता रहती है। मीडिया से भी वह जुड़े रहते हैं वहीं उनका जनसरोकार भी बढ़िया अब नजर आ रहा है। प्रदेश सरकार अपने कार्यकाल के एक वर्ष की अवधि को पूर्ण करने जा रही है वहीं अब प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के अन्य मंत्रियों के कार्यकाल की समीक्षा भी हो रही है। प्रदेश में इस बार की भाजपा सरकार नए प्रयोग के तहत मंत्रिमंडल का विस्तार करती नजर आई जो देखने को मिला।

आबकारी विभाग की भी जिम्मेदारी निभा रहे हैं श्याम बिहारी जायसवाल,मुख्यमंत्री का है मौखिक निर्देशःसूत्र

श्याम बिहारी जायसवाल आबकारी विभाग की भी जिम्मेदारी निभा रहे है। बताया जा रहा है कि उनकी ऊर्जा का लाभ मुख्यमंत्री पूरी तरह उठा रहे हैं और मौखिक आदेश देकर वह आबकारी विभाग की भी जिम्मेदारी श्याम बिहारी जायसवाल से निर्वाहन करवा रहे हैं। श्याम बिहारी जायसवाल सभी मंत्रियों में से सबसे ऊर्जावान हैं वहीं वह गंभीर और काफी जिम्मेदार हैं विभागीय जिम्मेदारियों के प्रति जिस कारण उन्हें अब कई विभाग ऐसे भी देखना पड़ रहा है।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बनते ही ऐसा नहीं है कि श्याम बिहारी पूरी तरह अपनी नई जिम्मेदारी के प्रति बेहतर साबित हुए...पहले वह आलोचनाओं के शिकार हुए

प्रदेश में सबसे पहले तो भाजपा ने आदिवासी समुदाय के व्यक्ति विधायक को प्रदेश की कमान सौंपने मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया वहीं जब मंत्रिमंडल का विस्तार हुआ तो यह देखने को मिला कि इस बार भाजपा ने पुराने और नए चेहरों के बीच सामंजस्य बनाने का काम किया और पूर्व के कई कैबिनेट मंत्री रह चुके इस बार निर्वाचित होकर आए विधायकों को पार्टी ने मंत्री नहीं बनाया और कुछ पुराने और कुछ नए युवा विधायकों से साथ एक नए कलेवर के साथ सरकार का नया रूप पार्टी ने सामने रखा। प्रदेश में मंत्रिमंडल के विस्तार के दौरान प्रमुख विभागों के बंटवारे के दौरान भी पार्टी ने काफी अचंभित किया लोगों को और कई राजनीतिक विश्लेषकों को और कई महत्वपूर्ण विभाग युवा विधायकों को पार्टी के द्वारा प्रदान किए गया, इसी क्रम में मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई और एक तरह से उनके ऊपर पार्टी ने बड़ा विश्वास जाहिर करते हुए उन्हें प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए कार्य करने जिम्मेदारी प्रदान किया। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बनते ही ऐसा नहीं है कि स्वास्थ्य मंत्री पूरी तरह अपनी नई जिम्मेदारी के प्रति बेहतर साबित हुए पहले वह आलोचनाओं के शिकार हुए और उन्हे काफी कुछ आलोचनाएं सहनी पड़ी प्रदेश की बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था से उन्हें दो चार होना पड़ा लेकिन अब जब सरकार को धीरे धीरे एक वर्ष के कार्यकाल तक पहुंचते देखा जा रहा है स्वास्थ्य मंत्री का स्वास्थ्य व्यवस्था के प्रति किया गया कार्य भी नजर आने लगा है वहीं अब स्वास्थ्य मंत्री प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए बेहतर से बेहतर योजनाएं बनाते नजर आ रहे हैं वहीं उन्हें अमली जामा भी वह पहनाने में पूरी तन्मयता से लगे हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्री केवल स्वास्थ्य व्यवस्था तक ही अपनी जिम्मेदारी मानकर कार्य नहीं कर रहे यह भी देखने को मिल रहा है स्वास्थ्य मंत्री अन्य शासन के मामलों में भी पूरी तरह खुद को सामने ला रहे हैं और जरूरत पड़ने पर बयान भी वह जारी कर लोगों की जिज्ञासाओं सहित उनके प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी बयान दिया और उन्होंने यह कहा कि प्रदेश की बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था अब पटरी पर आने लगी है। बता दें कि इस बीच सरकार के कार्यकाल के बीच यह भी देखने को मिला कि स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य क्षेत्र में भी काफी कुछ उपलब्धियां खुद के कार्यकाल के लिए साबित कर सके हैं वहीं यह उनकी उपलब्धियां प्रदेश के लोगों के लिए वरदान साबित होगी जो प्रदेश के लोगों को निश्चिंतता प्रदान करेगी स्वास्थ्य संदर्भ में।

निरीक्षण के दौरान मरीज को भी भाजपा समर्थक का दर्जा देकर करते हैं प्रणाम

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल में एक खूबी है जो काफी देखने को मिलती है निरीक्षण के दौरान जब वह अस्पतालों में जाते हैं वह भर्ती मरीजों लोगों को भाजपा का समर्थक मानकर या फिर भाजपा के विचारधारा से जुड़ने के लिए अपने स्वभाव से प्रेरित करते हैं बड़ा छोटा सभी को प्रणाम करते उनकी तस्वीरें अक्सर देखी जाती हैं हाल-फिलहाल में ही कई अस्पतालों के निरीक्षण में उन्होंने मरीजों के हाल-चाल जानने के लिए पहुंचते तो है पर पहले उनसे दोनों हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं उसके बाद हाल-चाल जानते हैं।

उपमुख्यमंत्री से कम नहीं

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल वैसे तो उप मुख्यमंत्री नहीं हैं वह केवल कैबिनेट मंत्री हैं लेकिन वह जिस तरह सरकार में काम कर रहे हैं और जिस ऊर्जा से वह काम कर रहे है जिस तरह सरकार सहित पार्टी में उनका विश्वास कायम है वह उप मुख्यमंत्री से कम भी नहीं हैं। स्वास्थ्य मंत्री को काफी जिम्मेदारियां मिली हुई हैं और वह काफी जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं यह देखा भी जा रहा है।

लोकसभा के बाद नगरीय निकाय चुनाव में भी जिम्मेदारी निभाएंगे...अपने क्षेत्र में जीत दिलाना पहली प्राथमिकता होगी...

स्वास्थ्य मंत्री अब नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभायेंगे,स्वास्थ्य मंत्री की पहली प्राथमिकता होगी कि वह अपने क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने में उनकी मदद करें वहीं वह पार्टी प्रत्याशियों की जीत पूरे प्रदेश में भी तय करने प्रयास करें। स्वास्थ्य मंत्री के क्षेत्र में खासकर जिले में एक नगर निगम भी शामिल है जहां कांग्रेस का कब्जा है वर्तमान में और जहां भाजपा इस बार कब्जा दर्ज करे यह स्वास्थ्य मंत्री को तय करना होगा। स्वास्थ्य मंत्री के लिए पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव काफी कुछ साबित करने के लिए एक अभियान होगा जहां वह जीत ही जीत तय करने पूरा प्रयास करते नजर आयेंगे।

डगमगाते संभालते अब तक का इनका मंत्री पद का कार्यकाल

स्वास्थ्य मंत्री का मंत्री पद का कार्यकाल अब एक वर्ष का होने जा रहा है। सरकार के साथ ही इनका भी कार्यकाल शुरू हुआ है। अब तक के सफर में कई बार इन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा आलोचनाओं से भी यह घिरे नजर आए। सभी कुछ सहते और डगमगाते स्वास्थ्य मंत्री धीरे धीरे स्थिर हुए और अब लंबी पारी के लिए वह तैयार हैं। स्वास्थ्य मंत्री की लंबी पारी में अब शायद उनकी उपलब्धि ही देखने को मिलेगी क्योंकि उन्होंने साफ कर दिया हैं कि वह स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर वह कोई कोताही न बर्दाश्त करेंगे वहीं न ही वह कमियां रहने देंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी जाहिर करना शुरू कर दिया है कि वह प्रदेश को स्वास्थ्य मामले में अव्वल लाकर रहेंगे।

मुख्यमंत्री के काफी पसंदीदा मत्रियों में है शुमार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्यमंत्री के पसंदीदा मंत्रियों में शुमार हैं, स्वास्थ्य मंत्री को लेकर मुख्यमंत्री को काफी संजीदा देखा जा रहा है। कहीं भी वह उन्हें साथ लेकर जा रहे हैं या फिर जहां उन्हें जाना है स्वास्थ्य मंत्री को भेज रहे हैं। मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य मंत्री पर सबसे ज्यादा विश्वास है यह नजर आ रहा है।

रायपुर उपचुनाव के बीच जिम्मेदारी निभा रहे हैं...

रायपुर उप चुनाव में भी वह जिम्मेदारी निभा रहे हैं वहीं वह इसी बीच अपने पद का भी दायित्व निभा रहे हैं। रायपुर दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा ने अपना प्रत्याशी सुनील सोनी को बनाया है। सुनील सोनी की जीत भाजपा के लिए साथ ही बृजमोहन अग्रवाल के लिए प्रतिष्ठा की सीट है क्योंकि इस सीट पर हमेशा भाजपा अजेय रही है और बृजमोहन अग्रवाल ही चुनाव जीतते आए हैं। बृजमोहन अग्रवाल के लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद यह सीट खाली हुई है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था आ रही है पटरी पर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर आ रही है।स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी पर लाने का प्रण लिया है और लगातार वह अपने प्रयास में सफल हो रहे हैं। उन्होंने प्रदेश के अस्पतालों की दशा सुधारने कई निर्णय लिए हैं और उन्होंने कई अस्पतालों में कई उन्नत चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराने प्रयास जारी किया है जिसमें से कई अस्पतालों में सुविधा पहुंच भी गई है। प्रदेश में अंग प्रत्यार्पण के लिए भी अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध हो सके यह भी वह प्रयास कर रहे हैं। कई जिला अस्पतालों में वह कई ऐसी सुविधा भी प्रदान करने प्रयासरत हैं जो मेडिकल कॉलेज या निजी अस्पतालों में ही उपलब्ध हैं।

अस्पतालों की सुधर रही है दशा भी और अब समय पर उपस्थित हो रहे हैं चिकित्सक

प्रदेश के अस्पतालों की दशा सुधर रही है। डॉक्टर समय पर अस्पतालों में आने लगे हैं।पहले की अपेक्षा काफी सुधार देखने को मिल रहा है। पहले अस्पतालों में डॉक्टर तो पदस्थ थे लेकिन वह कब आते थे कब जाते थे यह तय नहीं रहता था ,अब समय पर डॉक्टर उपस्थित हो रहे है मरीजों को सही इलाज मिल पा रहा है। जिन्हे आर्थिक कठिनाई आ रही है अच्छे इलाज के लिए उन्हें अलग से स्वास्थ्य मंत्री मदद कर रहे हैं। देखा जाए तो वह स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर काफी चिंतित हैं और वह प्रदेश के लोगों को बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने संकल्पित हैं।

Mukesh Agrawal
मुकेश
पटाखा एजेंसीज
ब्रांडेड पटाखों का जबरदस्त कलेक्शन
और जबरदस्त डिस्काउंट
SONNY
"STANDARD" FIREWORKS
COCK BRAND
ANIL FIREWORKS FACTORY
THE CORONATION FIREWORKS FACTORY
Ajanta Fireworks
SUPREME
VANITHA
VADIVEL
राम मंदिर रोड, अम्बिकापुर
गोदाम : फॉरेस्ट बेरियर के पास, खरसिया रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा
मो. : 94252 54102, 74703 48402

HOTEL
PURPLE ORCHID
RESTURANT
OPEN 24X7

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

राज्य स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालयों में होंगे दीप प्रज्जवलित

रायपुर,30 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवंबर को सभी जिला मुख्यालयों में एवं प्रमुख नगरों में दीप प्रज्जवलन किया जाना है। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, रायपुर ने कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा है कि नागरिकों से अपने घरों में राज्य स्थापना दिवस को दृष्टिगत रखते हुए दीप प्रज्जवलन करने के लिए अपील करना सुनिश्चित करें।

विष्णुदेव साय ने राज्यपाल रमेन डेका को दीवाली की शुभकामनाएं दी...

रायपुर,30अक्टूबर 2024(ए)। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सौजन्य भेंट कर दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल डेका ने भी उन्हें दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को नरक चतुर्दशी और छोटी दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं।

छत्तीसगढ़ में बदलेगा शिक्षा पाठ्यक्रम

» अगले सत्र से 12 वीं तक के कक्षाओं के विद्यार्थी पढ़ेंगे नया सिलेबस,

» तैयार हो रही 33 किताबें

रायपुर,30 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लागू होने के बाद स्कूली पाठ्यक्रम में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। अगले शैक्षणिक सत्र 2025-26 से कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक चरणबद्ध तरीके से नया सिलेबस लागू किया जाएगा। इसके अंतर्गत 33 नई किताबें तैयार हो रही हैं, जिसमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम शामिल हैं।

प्रारंभिक बदलाव : कक्षा 1, 2, 3 और 6 की किताबें

नए सत्र में कक्षा 1, 2, 3 और 6 की सभी किताबों को बदलने का कार्य शुरू हो चुका है। पहली, दूसरी और तीसरी कक्षा के छात्रों के लिए 4 से 6 नई किताबें बनाई जा रही हैं, जबकि छठी कक्षा में 15 नई किताबें शामिल की जाएंगी। इसमें आर्ट एजुकेशन, योगा, और वोकेशनल कोर्स भी जोड़ा गया है, जिसमें लघु उद्योग से संबंधित जानकारियां भी होंगी।

चरणबद्ध कार्यान्वयन

अगले सत्र में कक्षा 1, 2, 3, और 6 की नई किताबें लागू की जाएंगी। इसके बाद सत्र 2026-27 में अन्य कक्षाओं में भी इसी प्रकार बदलाव किए जाएंगे, जिससे अगले कुछ वर्षों में 12वीं तक की सभी किताबें अपडेट हो सकेंगी।

छठवीं के छात्र पढ़ेंगे वोकेशनल कोर्स

अगले साल से छठवीं में किताबों की संख्या बढ़ जाएगी। अब छठवीं में छह नहीं नौ किताबें छात्र पढ़ेंगे। पिछले साल के अनुसार हिंदी, संस्कृत, इंग्लिश, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकें तो रहेंगी ही। इसमें तीन और नई पुस्तक आर्ट एजुकेशन, योगा और वोकेशनल जुड़ जाएंगी। वोकेशनल में लघु उद्योग सहित अन्य के बारे में पढ़ाया जाएगा। कक्षा तीसरी में छात्र इंग्लिश, गणित के अलावा पर्यावरण व पिछले साल की चार किताबों की जगह छह किताबें पढ़ेंगे।

स्थानीय बोलियों को किया जाएगा शामिल

अधिकारियों ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत किताबें लिखीं जा रही है। इन किताबों को स्थानीय बोलियों और भाषाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। इसी के साथ कोर्स को आओ करके सीखें के अनुसार तैयार किया जा रहा है। नेशनल कॅरिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ) के तहत गणित व विज्ञान के पाठ्यक्रम है। उसके अनुसार ही यहां किताबें लिखी जा रही हैं। इसमें थोड़ा ही बदलाव किया जाएगा। सामाजिक विज्ञान, लैंग्वेज की किताबों में राज्य के अनुसार 20 से 30 प्रतिशत तक बदलाव किया जाएगा।

रेलवे ने पिट लाइन के निर्माण के लिए काट डाले सैकड़ों पेड़

» खबर पर हाई कोर्ट ने लिया संज्ञान, दायर की जनहित याचिका

बिलासपुर,30 अक्टूबर 2024(ए)। रेलवे प्रबंधन ने वंदे भारत एक्सप्रेस के मेंटेनेंस डिपो और नई पिट-लाइन के निर्माण के लिए 242 पेड़ काटे और 25 पेड़ों को शिफ्ट कर दिया। इस मामले में मीडिया पर आई खबरों पर हाई कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए पीसीसीएफ से शपथ पत्र के साथ जवाब तलब किया है। इसके बाद सीसीएफ बिलासपुर ने रेल महाप्रबंधक को समस्त भूमि, पेड़ कटाई एवं परियोजना संबंधित दस्तावेजों के साथ बुधवार शाम 4 बजे कार्यालय में उपस्थित होने कहा है।

यह मामला तब उजागर हुआ जब बिलासपुर वन मंडल के डिप्टी रेंजर जितेंद्र साहू को पेड़ों की कटाई की शिकायत मिली। मौके पर पहुंचकर टीम ने काटे गए पेड़ों की शाखा और उखाड़े गए पेड़ों के जड़ बिखरे हुए पाए। रेलवे अधिकारियों से अनुमति पत्र की मांग पर सिर्फ आवेदन की एक कॉपी प्रस्तुत की गई, जिसमें पेड़ शिफ्टिंग का उल्लेख नहीं था।

रिश्वतखोरी मामले में स्टेनो टाइपिस्ट सस्पेंड

जांजगीर,30 अक्टूबर 2024(ए)। अस्थाई फटाका लाइसेंस के लिए रिश्वत मांगने वाली महिला स्टेनो टाइपिस्ट को निलंबित किया गया है। अस्थाई फटाका लाइसेंस के लिए महिला स्टेनो टाइपिस्ट ने रिश्वत मांगी थी। जिसका ऑडियो वायरल होने पर महिला स्टेनो टाइपिस्ट को निलंबित करने के आदेश कलेक्टर आकाश छिकारा ने दिए थे। अब उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

रायपुर से राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड तक चलेंगी बीआरटीएस बसें

रायपुर,30अक्टूबर 2024(ए)। नवा रायपुर अटल नगर के राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड में 04 से 06 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह 2024 में रायपुर से राज्योत्सव स्थल तक आने वाले यात्रियों के आवागमन की सुविधा के लिए बीआरटीएस बसों की सुविधा प्रदान की गयी है। इसके अंतर्गत रायपुर-नवा रायपुर के मध्य संचालित की जाने वाली बीआरटीएस बसों को स्पेशल ड्यूटी अंतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन-डीकेएस भवन-तेलीबांधा-सीबीडी होते हुए राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड जाने और वापसी में राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से सीबीडी-तेलीबांधा-डीकेएस भवन-रेलवे स्टेशन के लिये बी आर टीएस बसों का संचालन किया जायेगा। यह बसें रायपुर से प्रातः 11.00 बजे से रात्रि के 9.00 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में चलेंगी। राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से रायपुर वापसी हेतु दोपहर 12.12 बजे से रात्रि के 11.12 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में बीआरटीएस बसे उपलब्ध होगी।

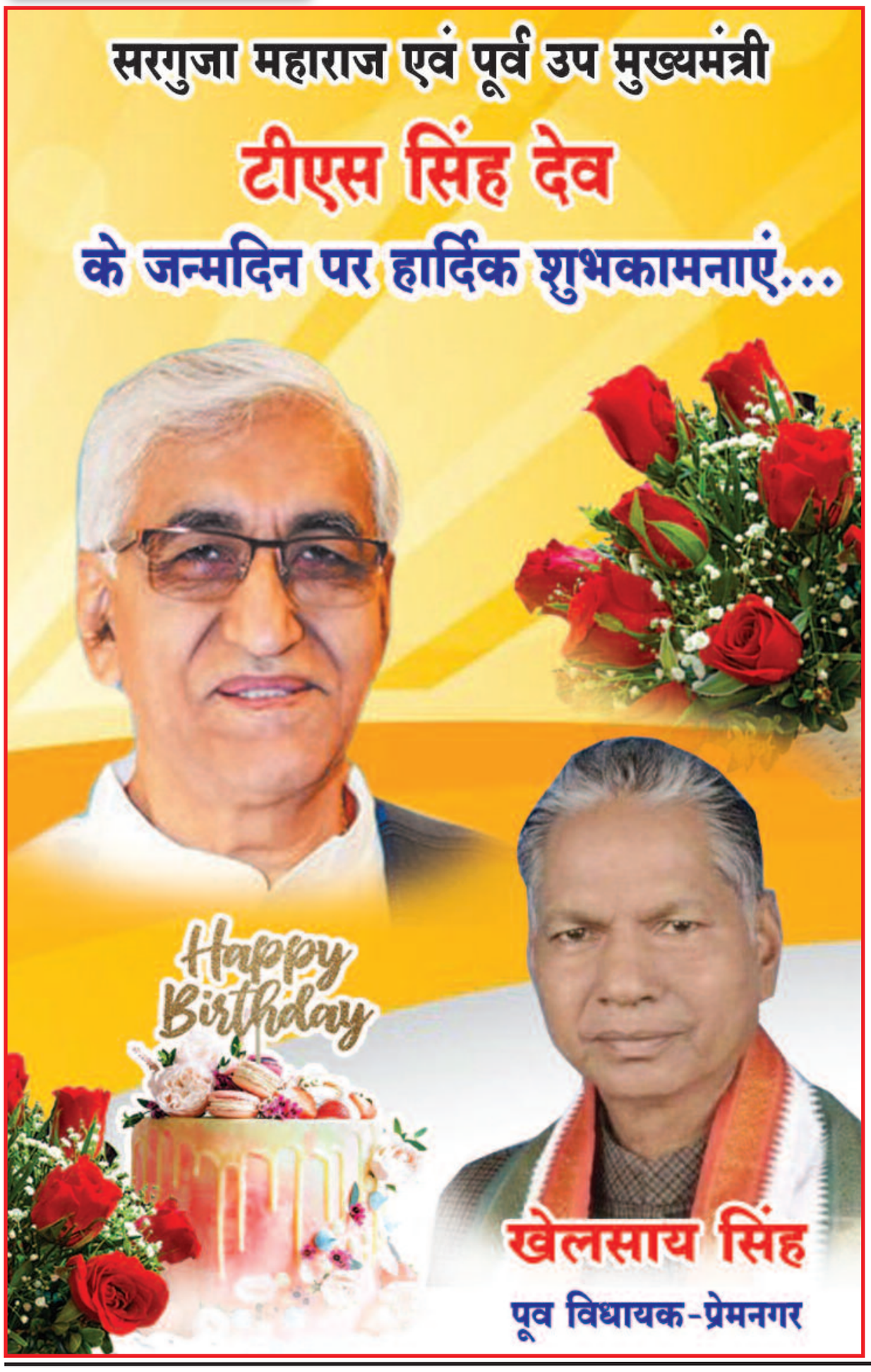

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)